

---

# Shri Nrisinha Ashtottarashatanama Stotram 1

श्रीनृसिंहाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् १

## Document Information

---

Text title : nRisi.nhAShTottaraShatanAmastotram 1

File name : nRisinha108str.itx

Category : aShTottaraShatanAma, vishhnu, dashAvatAra, stotra, vishnu

Location : doc\_vishhnu

Transliterated by : N.Balasubramanian

Proofread by : N.Balasubramanian

Description-comments : See corresponding nAmAvalI.

Latest update : June 23, 2008

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 5, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Nrisinha Ashtottarashatanama Stotram 1

---

## श्रीनृसिंहाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम् १

---



॥ श्रीः ॥

श्रीनृसिंहा मडासिंहा दिव्यसिंहा मडाभलः ।

उग्रसिंहा मडादेव उपेन्द्रश्चाऽग्निलोचनः ॥ १ ॥

रौद्रशैरिर्मडावीरस्सुविक्रम-पराक्रमः ।

हरिकोलाडलश्चकी विजयश्चाजयोऽव्ययः ॥ २ ॥

द्वैत्यान्तकः परब्रह्माप्यधोरो धोरविक्रमः ।

ज्वालामुष्णो ज्वालमाली मडाज्वालो मडाप्रभुः ॥ ३ ॥

निटिलाक्षः सडस्राक्षो दूर्निरीक्ष्यः प्रतापनः ।

मडादंष्ट्रायुधः प्राज्ञो छिरण्यकनिषूधनः ॥ ४ ॥

थाडडकोपी सुरारिघ्नस्सदातिघ्न-सदाशिवः ।

गुणभद्रो मडाभद्रो भलभद्रस्सुभद्रकः ॥ ५ ॥

कराणो विकराणश्च गतायुस्सर्वकर्तृकः ।

भैरवाडंभरो दिव्यश्चागम्यस्सर्वशत्रुजित् ॥ ६ ॥

अमोघास्त्रशशस्त्रधरः सव्यजुटस्सुरेश्वरः ।

सडस्रबाहुर्वजनभरस्सर्वसिद्धिर्जनार्दनः ॥ ७ ॥

अनन्तो भगवान् स्थूलश्चागम्यश्च परावरः ।

सर्वमन्त्रैकगुपश्च सर्वयन्त्रविधाराणः ॥ ८ ॥

अव्ययः परमानन्दः कालजित् भगवाडनः ।

भक्तातिवत्सलोऽव्यक्तस्सुव्यक्तस्सुलभश्शुचिः ॥ ९ ॥

लोकैकनायकस्सर्वशराणागतवत्सलः ।

धीरो धरश्च सर्वज्ञो भीमो भीमपराक्रमः ॥ १० ॥

द्वेवप्रियो नुतः पूज्यो भवदृत् परमेश्वरः ।

श्रीवत्सवक्षाः श्रीवासो विभुस्सङ्घर्षाः प्रभुः ॥ ११ ॥

त्रिविक्रमस्त्रिलोकात्मा कामस्सर्वेश्वरेश्वरः ।

विश्रंभरः स्थिराभश्चाऽय्युतः पुरुषोत्तमः ॥ १२ ॥

अधोक्षजोऽक्षयस्सेव्यो वनमाली प्रकंपनः ।

गुरुर्लोकगुरुस्त्रष्टा परंजयोतिः परायणः ॥ १३ ॥


ज्वालाढोऽभिलमालोल-डोडाकारञ्जभार्गवाः ।


योगनन्दश्चत्रवटः पावनो नवमूर्तयः ॥ १४ ॥

॥ इति श्री नृसिंहाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं संपूर्णम् ॥

Encoded and proofread by N. Balasubramanian

---

——  
*Shri Nrisinha Ashtottarashatanama Stotram 1*  
pdf was typeset on February 5, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

